श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति, सांगानेर (जयपुर)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर

एवं

समिति द्वारा संचालित

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर (जयपुर)

❖

आदिनाथ पब्लिक स्कूल, सांगानेर (जयपुर)

❖

संस्कृत–प्राकृत–अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र, सांगानेर (जयपुर)

वार्षिक प्रतिवेदन	:	2021–22
ऑडिट रिपोर्ट्स	:	2020–21

बजट

परिशोधित	:	2021–22
प्रस्तावित	:	2022–23

मंत्री, कार्यकारिणी समिति
श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर–302 029

श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर
अनुक्रमणिका

विवरण :		पृष्ठ संख्या
प्रस्तावना		03 से 04
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय :		
वार्षिक प्रतिवेदन	वर्ष 2021–2022	05 से 22
ऑडिट रिपोर्ट	वर्ष 2020–2021	23 से 29
बजट नोट	वर्ष 2022–2023	30 से 36
परिशोधित बजट	वर्ष 2021–2022	37 से 40
प्रस्तावित बजट	वर्ष 2022–2023	37 से 40
आदिनाथ पब्लिक स्कूल :		
वार्षिक प्रतिवेदन	वर्ष 2021–2022	41 से 43
ऑडिट रिपोर्ट	वर्ष 2020–2021	44 से 48
बजट नोट	वर्ष 2022–2023	49 से 53
परिशोधित बजट	वर्ष 2021–2022	54 से 56
प्रस्तावित बजट	वर्ष 2022–2023	54 से 56
श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति :		
वार्षिक प्रतिवेदन	वर्ष 2021–2022	57 से 62
ऑडिट रिपोर्ट	वर्ष 2020–2021	63 से 72
बजट नोट	वर्ष 2022–2023	73 से 78
परिशोधित बजट	वर्ष 2021–2022	79 से 81
प्रस्तावित बजट	वर्ष 2022–2023	79 से 81

महोदय,

श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति द्वारा संचालित **श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय** की स्थापना आषाढ़ कृष्णा 5 गुरुवार सम्वत् 1942, (सन् 1885 ई.) में हुई थी। यह महाविद्यालय 137 वर्ष से निरन्तर समाज एवं देश की सेवा करता आ रहा है। महाविद्यालय के विकास में श्रद्धेय स्व० पं० चैनसुखदास जी न्यायतीर्थ; स्व० पं. भंवरलाल जी न्यायतीर्थ; स्व० पं. मिलापचन्द जी शास्त्री; स्व० श्री कपूरचन्द जी पाटनी; स्व० डॉ. कस्तूरचन्द जी कासलीवाल; स्व० श्री रमेशचन्द जी पापड़ीवाल का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। वर्तमान में श्री नरेश कुमार जी सेठी (से०नि० आई.ए.एस.) ने जब से अध्यक्ष पद संभाला है, महाविद्यालय में, विशेष तौर पर, सांगानेर स्थित नवीन भवन एवं ऑडिटोरियम के निर्माण में; संस्था की आर्थिक संरचना सुदृढ़ करने में तथा महाविद्यालय प्रशासन को व्यवस्थित करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

समिति द्वारा संचालित महाविद्यालय को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा उपाध्याय कक्षा तक के लिए तथा जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा जैनदर्शन, साहित्य एवं प्राकृत-जैनागम विषयों में आचार्य स्तर तक मान्यता प्राप्त है। यह प्रसन्नता की बात है कि वर्ष **2022-23 से 5 वर्षों** के लिए शास्त्री एवं आचार्य स्तर में जैनदर्शन, साहित्य, प्राकृत जैनागम एवं व्याकरण शास्त्र में महाविद्यालय को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली से मान्यता प्राप्त हो गई है। इससे महाविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर गणना होगी। राजस्थान में इस महाविद्यालय का गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों में विशेष स्थान है। जैनदर्शन में अध्ययन-अध्यापन कार्य में महाविद्यालय देश के सर्वोपरि संस्कृत महाविद्यालयों में से एक है। महाविद्यालय ने राजस्थान को ही नहीं वरन सम्पूर्ण भारत को चोटी के सैकड़ों विद्वान, साहित्यकार व समाज सेवी उपलब्ध कराए हैं।

भारत की जैन शिक्षण संस्थाओं में यह एक मात्र शिक्षण संस्था है जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सेक्शन-2(एफ) एवं 12(बी) यू.जी.सी. एक्ट 1956 के अन्तर्गत मान्यता प्रदान की है। **हमें प्रसन्नता है कि 2 नवम्बर, 2018 से महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) से मान्यता प्राप्त हो गई है तथा इसे 'B' ग्रेड प्राप्त हुआ है।** अब हम **आदर्श महाविद्यालय** की मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हैं।

श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति ने समय की मांग को दृष्टि में रखते हुए जुलाई 2012 में **"आदिनाथ पब्लिक स्कूल"** प्रारम्भ किया एवं सन् 2013-14 में **"संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र"** का शुभारम्भ किया। इसी प्रकार महाविद्यालय के मनिहारों का रास्ता, जयपुर स्थित भवन में **"दिगम्बर जैन छात्रावास"** का भी शुभारम्भ किया गया। इस छात्रावास में 50 विद्यार्थियों के लिए आवास एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था है।

मार्च 2020 में कोरोना महामारी के कारण सम्पूर्ण भारतवर्ष में लॉक-डाउन के कारण अप्रत्याशित स्थिति बनी। ऐसे में सभी शिक्षण संस्थाएं, व्यावसायिक प्रतिष्ठान एवं प्रत्येक व्यक्ति का जीवन क्रम और सारी गतिविधियां अस्त-व्यस्त हो गई। हमारा महाविद्यालय, आदिनाथ पब्लिक स्कूल एवं दिगम्बर जैन छात्रावास भी

लॉक–डाउन के कारण बन्द रहे। सभी गतिविधियां शून्य हो गई। विद्यार्थी अपने घरों में ही रहे। उन्हें ऑनलाईन कक्षाओं के माध्यम से शिक्षण की व्यवस्था की गई। वस्तुतः, सत्र 2020–21 पूर्णतः शून्य हो गया।

अब जनवरी, 2021 में वैक्सीन आ जाने के कारण और प्रकृति जन्य महामारी के प्रभाव में कमी के कारण राज्य सरकार के आदेशानुसार शिक्षण संस्थाएं खुलना प्रारम्भ होने लगी हैं। अभी भी राज्य सरकार की गाइडलाइन्स के अनुसार काफी सावधानी बरतनी होगी। आशा करते हैं कि सत्र 2022–23 पूर्व वर्षों के अनुसार व्यवस्थित रूप में चल सकेगा।

यह हर्ष का विषय है कि गत तीन वर्षों से महाविद्यालय में कनिष्ठ और वरिष्ठ उपाध्याय कक्षाओं में **छात्राओं** ने भी प्रवेश लिया है। अब ये छात्राएं क्रमोन्नत होकर अगली कक्षा में अध्ययन करेंगी एवं कनिष्ठ उपाध्याय में नई छात्राएं प्रवेश लेंगी। अतः उनके लिए अतिरिक्त क्लास रूम्स की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए **5 क्लास रूम्स** नये बनवाए गए हैं। महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों के लिए एक **ऑडिटोरियम** की भी कमी महसूस की जा रही थी। बिना दानदाताओं के सहयोग के इतना बड़ा कार्य सम्भव नहीं था। समिति के अध्यक्ष श्री एन. के. सेठी साहब ने जिस प्रकार सांगानेर में महाविद्यालय के भवन निर्माण के लिए बड़े दानदाताओं को तैयार किया था उसी प्रकार ऑडिटोरियम एवं 5 क्लास रूम्स के निर्माण हेतु भी वे तत्परता से प्रयासरत रहे। अन्ततोगत्वा, उनके निरन्तर प्रसासों से ही दिल्ली निवासी जे. के. इन्डसट्रीज के पूर्व होलटाइम डायरेक्टर श्री स्वरूप चन्द जी सेठी ने संस्कृत शिक्षा समिति के बैंक खाते में एक साथ दो करोड़ रुपये जमा करवा कर बहुत बड़ा सहयोग प्रदान किया। फलस्वरूप, ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जा सका। ऑडिटोरियम एवं अन्य निर्माण हेतु विभिन्न दातारों से भी अच्छी आर्थिक सहायता मिली है। ऑडिटोरियम बन कर तैयार हो गया है। इसमें 264 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। निर्माण कार्य बहुत सुन्दर हुआ है। इसके निर्माण से महाविद्यालय की जहां गरिमा बढ़ी है वहीं भविष्य में इससे महाविद्यालय को आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा। सम्पूर्ण भारत वर्ष में हमारे महाविद्यालय जैसा कोई भी संस्कृत महाविद्यालय देखने को नहीं मिलेगा, जहां इतना बड़ा भवन आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न हो।

समाज श्रेष्ठियों एवं विद्वत्जनों का सहयोग ही हमारा सम्बल है। कृपया समय–समय पर पधार कर अपने सुझाव एवं मार्ग–दर्शन से उपकृत करें ताकि श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति जैन धर्म–दर्शन के शिक्षण एवं संस्कारित जीवन के उन्नयन एवं प्रतिष्ठापन में अपना पूर्ण योगदान देकर समाज हित में अग्रणी संस्था बनी रहे।

भवदीय

(महेश चन्द्र जैन "चाँदवाड़")
मंत्री

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर – 302 029

वार्षिक – प्रतिवेदन

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर का वार्षिक प्रतिवेदन सत्र 2021–2022 निम्नानुसार है –

1. **महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति पुनर्गठन पश्चात् दिनांक 12 दिसम्बर, 2021 से निम्नानुसार है :–**

1.	श्री नरेश कुमार सेठी	–	अध्यक्ष
2.	श्री महेन्द्र कुमार पाटनी	–	उपाध्यक्ष
3.	श्री शांति कुमार जैन	–	उपाध्यक्ष
4.	श्री महेशचंद्र जैन “चांदवाड़”	–	मंत्री
5.	श्री कमल कुमार जैन	–	संयुक्त मंत्री
6.	श्री अनिल पाटनी	–	कोषाध्यक्ष
7.	श्री सुधांशु कासलीवाल	–	सदस्य
8.	श्री प्रमोद जैन पहाड़िया	–	सदस्य
9.	श्री योगेश टोडरका	–	सदस्य
10.	श्री उत्तम चन्द पाटनी	–	सदस्य
11.	श्री अरूण शाह	–	सदस्य
12.	डॉ. प्रेम चन्द रांवका	–	सदस्य
13.	श्री दर्शन कुमार जैन	–	सदस्य
14.	डॉ. अनिल कुमार जैन	–	कार्यवाहक प्राचार्य (30.09.2021 तक)
15.	डॉ. ललित किशोर शर्मा	–	कार्यवाहक प्राचार्य (01.10.2021 से निरन्तर)
16.	प्राचार्य, महाराजा आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर	–	विभागीय प्रतिनिधि
17.	श्री रमेश भारद्वाज	–	प्रतिनिधि, ज.रा.रा.सं.विश्वविद्यालय
18.	श्री धनकुमार कासलीवाल	–	पूर्व स्नातक, सदस्य
19.	डॉ. हितेन्द्र	–	शिक्षक प्रतिनिधि, सदस्य
20.	श्री रमेश चन्द जांगिड़	–	अभिभावक प्रतिनिधि, सदस्य

2. शैक्षणिक गतिविधियाँ :

(1) उच्च माध्यमिक विभाग –

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध उपाध्याय (सी.हायर सैकेण्डरी में कला वर्ग के समान) अनिवार्य एवं संस्कृत वाड्.मय सामान्य विषयों के अतिरिक्त मुख्य वैकल्पिक विषय में जैनदर्शन, साहित्य तथा वैकल्पिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी विषयों के अध्ययन की समुचित व्यवस्था है।

(2) महाविद्यालय विभाग –

राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित त्रिवार्षिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शास्त्री (स्नातक), आचार्य (स्नातकोत्तर) कक्षाओं में मुख्य वैकल्पिक विषय जैनदर्शन, संस्कृत साहित्य और प्राकृत–जैनागम एवं आधुनिक विषयों में हिन्दी, अंग्रेजी और कम्प्यूटर एप्लीकेशन आदि विषयों के अध्ययन और अध्यापन की समुचित व्यवस्था है। आगामी सत्र 2022–23 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सम्बद्ध शास्त्री एवं आचार्य में व्याकरणशास्त्र का भी अध्ययन प्रारम्भ किया जायेगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं आचार्यों के द्वारा देशभर की समस्त राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रतिवर्ष शोधपत्र प्रस्तुत किये जाते रहे हैं। विभिन्न यूजीसी केयर एवं रजिस्टर्ड शोध पत्र–पत्रिकाओं में प्राध्यापकों के आलेख भी प्रकाशित हुए हैं। ये समस्त गतिविधियाँ भी संस्था के गौरव के अनुरूप होती हैं। इस वर्ष सभी गतिविधियां ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों माध्यम से सम्पन्न हुई हैं।

3. संस्कृत–प्राकृत–अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र–

वर्तमान में उक्त अनुसंधान केन्द्र के मानद् निदेशक के रूप में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. शीतलचन्द जैन नियुक्त हैं। इस केन्द्र में शोध छात्रों को शोध करने की समुचित सुविधाऐं प्रदान की गई हैं। इस वर्ष शोध केन्द्र द्वारा ''श्रमणाचार विशेषांक संयुक्तांक'' शोध पत्रिका का प्रकाशन किया गया है।

4. कम्प्यूटर कक्ष –

डिजिटल आवश्यकता को देखते हुए तथा अल्प समय में अधिक कार्य करने की क्षमता को बढ़ाने की दृष्टि से कम्प्यूटर की शिक्षा नितान्त आवश्यक है। अतः विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार महाविद्यालय समिति ने शास्त्री कक्षा में अध्ययन के लिये कम्प्यूटर कक्ष की व्यवस्था की हुई है। महाविद्यालय के कम्प्यूटर कक्ष में 15 कम्प्यूटर्स के माध्यम से छात्रों को अनिवार्य रूप से

कम्प्यूटर शिक्षण की व्यवस्था उपलब्ध है। कम्प्यूटर कक्ष में आवश्यकतानुसार यथाशीघ्र कम्प्यूटर्स की संख्या में वृद्धि की जानी है।

5. <u>महाविद्यालय परिवार</u> –

महाविद्यालय में निम्नानुसार पद शिक्षा समिति द्वारा स्वीकृत हैं –

पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान
प्राचार्य	01	40000-1000-50000-1500-65000
उप-प्राचार्य	01	30000-800-38000-1000-48000
प्रोफेसर	03	30000-800-38000-1000-48000
एसोसिएट प्रोफेसर	03	25000-600-31000-700-38000
असिस्टेन्ट प्रोफेसर	04	22000-500-27000-600-33000
स्कूल व्याख्याता	03	15000-400-19000-500-24000
पुस्तकालयाध्यक्ष	01	15000-400-19000-500-24000
पी.टी.आई.	01	10000-300-13000-400-17000
लिपिक	02	11000-250-13500-300-16500
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	02	7500-200-9500-250-12000
कुल	**21**	

उक्त 21 पदों में से वर्तमान में उप-प्राचार्य 01, एसोसिएट प्रोफेसर 01, असिस्टेन्ट प्रोफेसर 07, स्कूल व्याख्याता 03, पुस्तकालयाध्यक्ष 01, लिपिक 01, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी 01 कुल 15 पदों पर शिक्षक एवं कर्मचारी कार्यरत हैं।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली से उनकी "संस्कृत महाविद्यालयों को सहायता" योजना के अन्तर्गत हमारे महाविद्यालय को सत्र 2020-21 में वेतन अनुदान के रूप में रु. 3,84,000/- (रुपये तीन लाख चौरासी हजार) एवं 30 छात्रों के लिए छात्रवृत्ति के रूप में रु. 90,000/- (रुपये नब्बे हजार) प्राप्त हुए हैं।

6. <u>छात्र संख्या</u> –

महाविद्यालय में संचालित विभागों में छात्र संख्या इस प्रकार रही है –

	वर्ष 2020-21	वर्ष 2021-22
उच्च माध्यमिक विभाग	263	223
महाविद्यालय विभाग	131	197
शोध विभाग	01	01
कुल	**395**	**421**

7. <u>परीक्षा परिणाम</u> –

महाविद्यालय में संचालित विभागों के बोर्ड/वि.वि. के गत दो वर्षों का परीक्षा परिणाम निम्न प्रकार रहा है –

परीक्षा में प्रविष्ट विद्यार्थियों का परिणाम सत्र 2019–20

कक्षा	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	योग	प्रतिशत
क. उपाध्याय	117	20	06	143	0	143	100
व. उपाध्याय	53	34	10	97	02	97	97.97
शास्त्री प्रथम वर्ष	प्रमोट हुए			40	0	40	100
शास्त्री द्वितीय वर्ष	प्रमोट हुए			24	0	24	100
शास्त्री तृतीय वर्ष	21	10	0	31	0	31	100
आचार्य प्रथम वर्ष	प्रमोट हुए			01	0	01	100
आचार्य द्वितीय वर्ष	12	02	0	14	0	14	100

परीक्षा में प्रविष्ट विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम सत्र 2020–21

कक्षा	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	योग	प्रतिशत
क. उपाध्याय	प्रमोट हुए			128	0	128	100
व. उपाध्याय	135	–	–	135	–	135	100
शास्त्री प्रथम वर्ष	प्रमोशन का परिणाम अघोषित						
शास्त्री द्वितीय वर्ष	–	–	–	40	–	40	100
शास्त्री तृतीय वर्ष	16	07	0	23	–	23	100
आचार्य प्रथम वर्ष	प्रमोशन का परिणाम अघोषित			16	–	16	100
आचार्य द्वितीय वर्ष		1				1	100

वर्ष 2020–21 में कोरोना महामारी के चलते कनिष्ठ उपाध्याय, शास्त्री प्रथम एवं आचार्य प्रथम वर्ष की वार्षिक परीक्षा नहीं कराई गई है। समस्त छात्रों को पूर्व परीक्षा परीणाम के आधार पर अगली कक्षा में प्रमोट किया गया है। जिन कक्षाओं की परीक्षाएं कराई गई उनका परीक्षा परिणाम प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अर्थात् 2021 में भी अच्छा रहा है। संख्यात्मक व गुणात्मक दृष्टि से परिणामों को और अच्छा बनाने हेतु इस वर्ष विशेष प्रयास किये गये हैं। मेरिटोरियस छात्रों को एवं कमजोर छात्रों को अलग से चिन्हित कर उनकी अलग से विशेष व्यवस्था की जा रही है।

8. महाविद्यालय में संचालित विभागों में बोर्ड/विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त विषय–

(i) माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

उपाध्याय वर्ग –

अनिवार्य	–	हिन्दी,अंग्रेजी
अनिवार्य वर्ग 1	–	संस्कृत वाड्मय
वैकल्पिक वर्ग 2	–	जैनदर्शन/ संस्कृत साहित्य
वैकल्पिक वर्ग 3	–	हिन्दी साहित्य

(ii) जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

शास्त्री –

अनिवार्य		हिन्दी, अंग्रेजी
अनि.वर्ग 1	–	संस्कृत वाड्मय
वैक.वर्ग 2	–	जैनदर्शन/ संस्कृत साहित्य/प्राकृत–जैनागम
वैक.वर्ग 3	–	हिन्दीसाहित्य/अंग्रेजीसाहित्य/कम्प्यूटर एप्लीकेशन

आचार्य –

जैनदर्शन/संस्कृत साहित्य/प्राकृत–जैनागम

9. <u>पुस्तकालय</u> –

महाविद्यालय के नवीन भवन में भव्य पुस्तकालय कक्ष है, जिसमें 32756 सन्दर्भ ग्रन्थों के साथ पाठ्यक्रम सहित पाठ्यपुस्तकों का संग्रह है। साथ ही ज्ञानवर्धक साहित्य, महापुरुषों की जीवनियाँ, नाटक, उपन्यास, संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी शब्दकोश तथा शोधकहानियों का विपुल भण्डार है। पुस्तकालय में समस्त पुस्तकें विषयानुसार रखी गई हैं। पुस्तकालय में विद्यार्थियों के अध्ययन करने हेतु विविध भाषाओं की शोधपत्रिका, दैनिक समाचार पत्रों की व्यवस्था के साथ–साथ पर्याप्त फर्नीचर भी उपलब्ध है।

पुस्तकालय को डिजिटलाईजेशन करने की दृष्टि से एक कम्प्यूटर उपलब्ध है तथा पुस्तकालय में संरक्षित समस्त पुस्तकों को कम्प्यूटरीकृत करने का कार्य प्रगति पर है। "ई–ग्रन्थालय साफ्टवेयर" पर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। इस साफ्टवेयर के माध्यम से अब तक कुल 17364 पुस्तकों के इन्द्राज का कार्य हो गया है।

यहाँ दैनिक समाचार पत्रों के साथ संस्कृत की मासिक, त्रैमासिक एवं वार्षिक पत्रिकायें भी नियमित रूप से आती हैं।

अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं। संरक्षित पुस्तकों का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	पुस्तक-विवरण	संख्या
1.	संस्कृत व्याकरण, साहित्य, काव्य, नाटक, शोध प्रबंध इत्यादि	12172
2.	जैन धर्म-दर्शन, चरित्र, काव्य शोध इत्यादि	7053
3.	हिन्दी पाठ्य, नाटक, उपन्यास, कहानियां, शोध इत्यादि	2760
4.	ज्योतिष, पत्रकारिता,पुस्तकालय विज्ञान एवं कम्प्यूटर विज्ञान	488
5.	सामाजिक विज्ञान, आयुर्वेद एवं पर्यावरण	502
6.	अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र एवं धर्म	529
7.	गणित एवं इतिहास	763
8.	सामान्य विज्ञान एवं तंत्रशास्त्र	608
9.	दर्शनशास्त्र, वैदिक पुराण, सन्दर्भ ग्रन्थ, प्राकृत एवं पाली	2203
10.	अंग्रेजी एवं भूगोल	824
11.	बुक-बैंक	4854
	योग	**32756**

10. वर्ष 2020-21 में बेस्ट स्टूडेन्ट ऑफ द कॉलेज

क्र. सं.	छात्र का नाम	पिता का नाम	कक्षा	पुरस्कार का क्षेत्र
1	श्री अभिषेक जैन	श्री विजय जैन	शास्त्री तृतीय वर्ष	बेस्ट स्टूडेन्ट ऑफ दी ईयर
2	सुश्री दृष्टि जैन	श्री भारत जैन	वरिष्ठ उपाध्याय	बेस्ट गर्ल स्टूडेन्ट ऑफ दी ईयर
3	श्री सोहित जैन	श्री पवन जैन	वरिष्ठ उपाध्याय	बेस्ट स्टूडेन्ट ऑफ दी ईयर (जूनियर)

11. वर्ष 2020-21 में सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता विद्यार्थी

क्र. सं.	छात्र का नाम	पिता का नाम	कक्षा	पुरस्कार का क्षेत्र	पूर्णांक	प्राप्तांक	प्रतिशत
1	सुश्री दृष्टि जैन	श्री भारत जैन	वरिष्ठ उपाध्याय	कक्षा में प्रथम स्थान	500	493	98.60
2	श्री जैन संकल्प महेन्द्र कुमार	श्री महेन्द्र कुमार जैन	शास्त्री द्वितीय वर्ष	कक्षा में प्रथम स्थान	600	426	71.00
3	श्री सम्यक जैन	श्री राजेश जैन	शास्त्री द्वितीय वर्ष	जैनदर्शन में सर्वाधिक अंक	600	386	64.33
4	श्री जैन अमन महेश	श्री महेश जैन	शास्त्री द्वितीय वर्ष	प्राकृत जैनागम में सर्वाधिक अंक	600	404	67.33
5	श्री जैन संकल्प महेन्द्र कुमार	श्री महेन्द्र कुमार जैन	शास्त्री द्वितीय वर्ष	साहित्य शास्त्र में सर्वाधिक अंक	600	426	71.00

6	श्री मयंक जैन	श्री अशोक जैन	शास्त्री तृतीय वर्ष	कक्षा में प्रथम स्थान	600	418	69.66
7	श्री अंकित कुमार जैन	श्री अनिल कुमार जैन	शास्त्री तृतीय वर्ष	जैनदर्शन में सर्वाधिक अंक	600	386	64.33
8	श्री अमन जैन	श्री अरविन्द कुमार जैन	शास्त्री तृतीय वर्ष	प्राकृत जैनागम में सर्वाधिक अंक	600	406	67.66
9	श्री मयंक जैन	श्री अशोक जैन	शास्त्री तृतीय वर्ष	साहित्य शास्त्र में सर्वाधिक अंक	600	418	69.66
10	श्री नरेन्द्र कुमार जैन	श्री भगवान दास जैन	आचार्य द्वितीय वर्ष	कक्षा में प्रथम स्थान	500	294	58.8

11. शैक्षणिक गतिविधियाँ –

विद्यार्थियों के सतत सर्वांगीण विकासार्थ महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियाँ प्रतिवर्ष आयोजित की जाती रही हैं। एतदर्थ सत्र 2021–22 में जुलाई 2021 से अगस्त 2021 तक कोरोना महामारी के कारण ऑनलाईन कक्षाएँ आयोजित की गई तथा सितम्बर 2021 से 06 जनवरी 2022 तक ऑफलाईन कक्षाएँ एवं अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं। तदुपरान्त पुनः कोविड–19 महामारी के बढ़ने के कारण 7 जनवरी 2022 से फरवरी 2022 तक ऑनलाईन कक्षाएँ और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गई। सत्र 2021–22 में सम्पूर्ण गतिविधियों का विवरण निम्न प्रकार से है –

(अ) ऑनलाईन गतिविधियाँ –

1. **''नवागन्तुक छात्र स्वागत समारोह'' एवं ''गुरु पूर्णिमा महोत्सव''** –
   दिनांक 24.07.2021 को दोपहर 12:00 बजे ''नवागन्तुक छात्र स्वागत समारोह'' एवं ''गुरु पूर्णिमा महोत्सव'' संयुक्त कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता – डॉ. जयकुमार जैन, अधिष्ठाता, श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर रहे। मुख्य अतिथि – डॉ. शान्ति कुमार पाटिल, प्राचार्य श्री टोडरमल सिद्धान्त महाविद्यालय, टोडरमल स्मारक, जयपुर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के मानद् मंत्री श्रीमान् महेश चन्द्र जैन 'चांदवाड़' ने की। धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालयीय प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन ने किया तथा संयोजक का कार्य – श्री कृष्णदेव शुक्ल ने किया। इस कार्यक्रम में कुल 175 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

2. **''पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता'' –**
   ''टीकाकरण अभियान कोविड–19'' विषय को आधार बनाकर दिनांक 24.07.2021 को अपराह्न 2:00 बजे महाविद्यालयीय विद्यार्थियों की ऑनलाईन माध्यम से प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. शैलेश कुमार जैन एवं श्री सतीश कुमार जैन रहे। इसमें उपाध्याय वर्ग में वरिष्ठ उपाध्याय की छात्रा सुश्री अंशिका जैन पुत्री श्री मनोज जैन ने प्रथम तथा सुश्री प्रिया जांगिड़ पुत्री श्री रमेश चन्द जांगिड़ ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा शास्त्री वर्ग में शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री दृष्टि जैन पुत्री श्री भरत जैन ने प्रथम तथा सुश्री सोनल जैन पुत्री श्री सुरेश जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में कुल 95 विद्यार्थी उपस्थित रहे तथा 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

3. **''प्रेमचन्द जयन्ती''** – दिनांक 31.07.2021 को मुंशी प्रेमचन्द जयन्ती के अन्तर्गत ''भाषण प्रतियोगिता'' एवं ''प्रश्नोत्तरी स्पर्धा'' का आयोजन किया गया। **''प्रश्नोत्तरी स्पर्धा''** में उपाध्याय वर्ग में प्रथम स्थान वरिष्ठ उपाध्याय के छात्र श्री सुधांशु जैन पुत्र श्री सतीश जैन तथा द्वितीय स्थान श्री दिव्यांश जैन पुत्र श्री ज्ञानचन्द जैन ने प्राप्त किया। महाविद्यालय वर्ग से प्रथम स्थान शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री रिया जैन पुत्री श्री कमल कुमार जैन तथा द्वितीय स्थान श्री सौरभ जैन पुत्र श्री ऋषभ जैन ने प्राप्त किया। इसमें 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

''भाषण प्रतियोगिता'' में उपाध्याय वर्ग में प्रथम स्थान वरिष्ठ उपाध्याय कक्षा की छात्रा सुश्री आन्या जैन पुत्री श्री विकास जैन तथा द्वितीय स्थान कनिष्ठ उपाध्याय के छात्र श्री आयुष जैन ने प्राप्त किया। इसमें 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सुरेन्द्र कुमार भारती, हिन्दी विभाग, हिन्दी शोधकेन्द्र एवं सेवासदन महाविद्यालय, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश ने की। कार्यक्रम के संयोजक श्री कृष्णदेव शुक्ल तथा संचालक डॉ. शैलेश कुमार जैन रहे। इसमें कुल 135 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

4. **आशु भाषण प्रतियोगिता –** दिनांक 07.08.2021 को अपराह्न 1:00 बजे से ''सामाजिक, सम–सामयिक, शिक्षा, राजनीतिक, आदर्श चरित्र, जीवनी, धार्मिक इत्यादि '' विभिन्न विषयों पर आधारित आशु भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें विद्यार्थियों को तत्काल विषय प्रदान कर सम्बन्धित विषयों पर वक्तव्य हेतु अवसर दिया गया। इसमें 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा कुल 85 छात्र उपस्थित रहे।

विद्यालय वर्ग में प्रथम स्थान वरिष्ठ उपाध्याय की छात्रा सुश्री अंशिका जैन पुत्री श्री मनोज कुमार जैन तथा द्वितीय स्थान सुश्री उर्वशी जैन ने प्राप्त किया।

महाविद्यालय वर्ग में शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र श्री सौरभ जैन ने प्रथम तथा सुश्री मुस्कान जैन (शास्त्री प्रथम वर्ष) तथा सुश्री पूर्वी जैन (शास्त्री द्वितीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक डॉ. शैलेश कुमार जैन तथा संचालन एवं संयोजक का कार्य श्री कृष्णदेव शुक्ल ने किया।

5. **''एक शाम शहीदों के नाम'' –** स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दिनांक 14.08.2021 महाविद्यालय में ऑनलाईन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 33 छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति से ओत–प्रोत कविता, गीत, संस्मरण, सैनिक वृत्तान्त आदि के माध्यम से अपनी प्रस्तुतियाँ दी। इसमें लगभग 100 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अध्यक्षता श्रीमती डॉ. गुंजा पाटनी ने की तथा संचालन एवं संयोजक का कार्य श्री कृष्णदेव शुक्ल ने किया।

6. **संस्कृत–सप्ताह –** श्रावणी पूर्णिमा एवं संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 19.08.2021 से 25.08.2021 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया। इसमें दिनांक 24.08.2021 को श्लोक कण्ठ पाठ प्रतियोगिता में विद्यालय वर्ग में 16 तथा महाविद्यालय वर्ग के 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा कुल 140 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इसी प्रकार दिनांक 24.08.2021 को संस्कृत

गीत प्रतियोगिता में विद्यालय वर्ग से 9 तथा महाविद्यालय वर्ग से 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया और कुल 120 छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही। इसी तरह दिनांक 25.08.2021 को संस्कृत भाषण प्रतियोगिता विद्यालय वर्ग से 11 तथा महाविद्यालय वर्ग में 8 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा कुल 60 छात्रों की उपस्थिति रही। विजेताओं का विवरण निम्नानुसार है –

क्र.सं.	**प्रतियोगिता का नाम**	**विजेता प्रतिभागी**	**कक्षा**	**स्थान**	**निर्णायक मण्डल**	**संचालक**
विद्यालय वर्ग –						
1.	श्लोक कण्ठपाठ	सुश्री उर्वशी जैन	वरि.उपा.	प्रथम	श्री सुनील पुरी गोस्वामी	श्री संदीप जैन
		सुश्री आन्या जैन	वरि.उपा.	द्वितीय		
		सुश्री अक्षरा जैन	वरि.उपा.	द्वितीय		
		सुश्री सिमी जैन	वरि.उपा.	तृतीय		
2.	संस्कृत गीत	सुश्री आन्या जैन	वरि.उपा.	प्रथम	श्री सुनील पुरी गोस्वामी	श्री संदीप जैन
		श्री संकेत जैन	वरि.उपा.	द्वितीय		
		सुश्री अंशिका जैन	वरि.उपा.	द्वितीय		
		सुश्री सिमी जैन	वरि.उपा.	तृतीय		
3.	संस्कृत भाषण	सुश्री आन्या जैन	वरि.उपा.	प्रथम	श्री विनय जैन	श्री संदीप जैन
		श्री सम्यकजैन पुत्र श्री भरत जैन	वरि.उपा.	द्वितीय		
		सुश्री आयुषी जैन पुत्री श्री पवन जैन	कनि.उपा.	तृतीय		
महाविद्यालय वर्ग –						
4.	श्लोक कण्ठपाठ	सुश्री भव्या जैन	शास्त्री द्वि.वर्ष	प्रथम	डॉ. हितेन्द्र	श्री कृष्णदेव शुक्ल
		सुश्री रितिका जैन	शास्त्री द्वि.वर्ष	द्वितीय		
		सुश्री मुस्कान जैन	शास्त्री प्र.वर्ष	द्वितीय		
5.	संस्कृत गीत	सुश्री सुष्मिता जैन	शास्त्री प्र.वर्ष	प्रथम	डॉ. हितेन्द्र	श्री कृष्णदेव शुक्ल
		सुश्री अंशिका जैन	शास्त्री प्र.वर्ष	द्वितीय		
6.	संस्कृत भाषण	सुश्री भव्या जैन	शास्त्री द्वि.वर्ष	प्रथम	डॉ. हितेन्द्र	श्री कृष्णदेव शुक्ल
		सुश्री रितिका जैन	शास्त्री द्वि.वर्ष	द्वितीय		

7. **हिन्दी पखवाड़ा –** दिनांक 17.09.2021 को हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत स्वरचित कविता तथा कथा प्रतियोगिता आयोजित की गई।

स्वरचित प्रतियोगिता में वरिष्ठ उपाध्याय की छात्रा सुश्री अंशिका जैन पुत्री श्री मनोज कुमार जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कथा/कहानी प्रतियोगिता में वरिष्ठ उपाध्याय की सुश्री आन्या जैन पुत्री श्री विकास जैन ने प्रथम तथा कनिष्ठ उपाध्याय की सुश्री आयुषी जैन पुत्री श्री पवन कुमार जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

8. **8 Days Faculty Development Programme** – महाविद्यालय द्वारा दिनांक 12.01.2022 से 19.01.2022 तक आठ दिवसीय शिक्षकों के कार्यकौशल विकास हेतु कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम में कुल 343 प्रतिभागी पंजीकृत हुए। कार्यक्रम की सम्पूर्ण रिकॉर्डिंग महाविद्यालय के Youtube चैनल https://youtube.com/channel/UC7HuEb6eftEXrnYCcZ0m-uAपर भी उपलब्ध है। कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार रहा –

S.No.	Date	Keynote Speakers	Topic	Time
1.	12.01.2022	PROF. MADAN MOHAN JHA Director, Central Sanskrit University, Jammu	संस्कृत में Online संसाधन	2:00-3:00 PM
2.	13.01.2022	PROF. RAMAKANT PANDEY Professor – Department of Sahitya, Central Sanskrit University, Jaipur	साहित्य में अनुसन्धान की सम्भावनाएँ	3:00-4:00 PM
3.	14.01.2022	DR. DINKAR MARATHE Director, Ratnagiri Sub-Centre Kavi Kulguru Kalidas Sanskrit University, Ramtek, Nagpur	Types of Research	3:00-4:00 PM
4.	15.01.2022	PROF. V.N.K. PANDURANGI Dean, Faculty of Vedanta, Karnataka Sanskrit University, Bengaluru	वेदों में अभिनव व्याख्या	3:00-4:00 PM
5.	16.01.2022	PROF. VINOD SHASTRI Formar Vice-Chancellor Jagadguru Ramanandacharya Rajasthan Sanskrit University, Jaipur (Rajasthan)	ज्योतिषशास्त्र का वैज्ञानिक स्वरूप	3:00-4:00 PM
6.	17.01.2022	PROF. KIRAN KALA JAIN NAAC Expert & Coordinator Former Principal, Chaudhary Ishwar Singh Girls College, Fatehpur Pundri, Kurukshetra (Haryana)	IQAC Management	3:00-4:00 PM
7.	18.01.2022	PROF. AMBA KULKARNI HOD – Department of Sanskrit Studies Central University of Hyderabad, Telangana	संस्कृत अध्यापन में Online Tools की उपयोगिता	11:00-12:00 AM
8.	19.01.2022	PROF. (DR.) RAMESH ARORA CHAIRMAN, Management Development Academy, Jaipur	Time Management for Happiness and Success	3:00-4:00 PM

9. **सप्त दिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला –** महाविद्यालय के जैनदर्शन विभाग द्वारा सप्त दिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला का आयोजन दिनांक 24.01.2022 से 30.01.2022 तक ऑनलाईन जूम प्लेटफार्म माध्यम से प्रतिदिन अपराह्न 3:00–4:00 बजे तक किया गया। इसमें लगभग 94 पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की रूपरेखा विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन ने तैयार

की तथा संयोजक डॉ. श्रुति जैन एवं डॉ. हितेन्द्र रहे। कार्यक्रम की सम्पूर्ण रिकॉर्डिंग महाविद्यालय के Youtube चैनल https://youtube.com/channel/UC7HuEb6eftEXrnYCcZ0m-uA पर उपलब्ध है। कार्यक्रम निम्नानुसार रहा –

क्र. सं.	दिनांक	विद्वान् वक्ता का नाम	विषय
1.	24.01.2022	प्रो. धर्मचन्द जैन	जैनदर्शन में प्रमाण व्यवस्था
2.	25.01.2022	डॉ. संजीव गोधा	जैनदर्शन में प्रत्यक्ष प्रमाण की व्यवस्था
3.	26.01.2022	पं. अनिल शास्त्री बल्ले	जैनदर्शन में परोक्ष प्रमाण की अवधारणा
4.	27.01.2022	प्रो. अशोक कुमार जैन	जैनदर्शन में द्रव्य व्यवस्था
5.	28.01.2022	डॉ. शीतल चन्द जैन	जैनदर्शन में गुण की शास्त्रीय मीमांसा
6.	29.01.2022	डॉ. शैलेश कुमार जैन	जैनदर्शन में पर्याय मीमांसा
7.	30.01.2022	पं. अभय कुमार जैन	राष्ट्रीय एकता में नय की भूमिका

10. **दशदिवसात्मिका साहित्यविभागीयकार्यशाला –** साहित्य विभाग द्वारा आयोजित 10 दिवसीय काव्यशास्त्र एवं अलंकारशास्त्र को केन्द्रित करते हुए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर के साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. रामकुमार शर्मा जी द्वारा दिनांक 27.01.2022 से 05.02.2022 तक रात्रि 08:00 बजे से ऑनलाईन जूम प्लेटफार्म माध्यम से प्रतिदिन विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम की सम्पूर्ण रिकॉर्डिंग महाविद्यालय के Youtube चैनल https://youtube.com/channel/UC7HuEb6eftEXrnYCcZ0m-uA पर भी उपलब्ध है। कार्यक्रम में कुल 170 प्रतिभागी उपस्थित रहे। व्याख्यान–विवरण निम्न प्रकार रहा –

क्र.सं.	व्याख्यान विषय	दिनांक
1.	अलंकारशास्त्रेतिहासः तत्सम्प्रदायाश्च	27.01.2022
2.	काव्यस्वरूपनिर्णयः तद्भेदाश्च	28.01.2022
3.	शब्दशक्तिविमर्शः/ अभिधायाः संकीर्तनम्	29.01.2022
4.	लक्षणा–विमर्शः	30.01.2022
5.	लक्षणा–विमर्शः	31.01.2022
6.	व्यंजना–विमर्शः	01.02.2022
7.	काव्यरसाः तन्निष्पत्तिश्च	02.02.2022
8.	काव्यदोषविमर्शः	03.02.2022
9.	काव्यगतालंकाराः शब्दालंकाराणां स्वरूपम्	04.02.2022
10.	कतिचिद् अर्थालंकाराणां परिचयः	05.02.2022

11. **"Two Day Webinar on "English Literature and language"** – अंग्रेजी विभाग द्वारा दिनांक 04.02.2022 से 05.02.2022 को दोपहर 02–04 बजे तक दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका एवं संचालिका डॉ. श्रुति पारीक रही एवं सह–संयोजक श्री सतीश कुमार जैन रहे। कार्यक्रम में स्वागत एवं धन्यवाद भाषण प्राचार्य डॉ. ललित

किशोर शर्मा ने किया। कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग महाविद्यालय के Youtube चैनल https://youtube.com/channel/UC7HuEb6eftEXrnYCcZ0m-uA पर उपलब्ध है। कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार रहा –

S.No.	Name of the Speaker	Topic	Date
1.	Dr. Kirti Shekhawat	Interpreting Poetry	04.02.2022
		Communicating English Language	05.02.2022
2.	Mrs. Dolly Gambhir	Introduction to Phonetics in English Language	04.02.2022
		Introducation to Literary theory and Criticism	05.02.2022

12. **बसन्त पंचमी एवं आचार्य कुन्दकुन्द जयन्ती कार्यक्रम –** दिनांक 05.02.2022 को बसन्त पंचमी के उपलक्ष्य में प्रातःकाल महाविद्यालयीय प्राध्यापकों द्वारा सरस्वती पूजन किया गया। तदुपरान्त अपराह्नकालीन सत्र में ऑनलाइन जूम माध्यम से विद्यार्थियों ने आचार्य कुन्दकुन्द स्वामी तथा भगवती सरस्वती को उपलक्षित कर गीत, कविता, भाषण आदि के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में लगभग 60 विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन एवं संयोजन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रभारी जैनदर्शन की सहायक आचार्या डॉ. श्रुति जैन ने किया। स्वागत एवं धन्यवाद भाषण प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा ने किया।

13. **दसदिवसीय ब्राह्मी लिपि प्रशिक्षण ऑनलाईन कार्यशाला –** श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय एवं विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान, जयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 05.02.2022 से 14.02.2022 तक गूगल मीट माध्यम से किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा रहे तथा लिपि प्रशिक्षक के रूप में सम्बन्धित शोध संस्थान के पाण्डुलिपि एवं लिपिविज्ञान विभाग के आचार्य श्री आनन्द शर्मा रहे। इस कार्यशाला में कुल 21 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र भी प्रेषित किये गए।

14. **"Best Practices for Academic Libraries" -** महाविद्यालय के पुस्तकालय द्वारा एक दिवसीय व्याख्यान "**Best Practices for Academic Libraries**" विषय पर आयोजित दिनांक 07.02.2022 को किया गया। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर बलाहर, हिमाचल प्रदेश के असिस्टेन्ट लाइब्रेरियन श्री विक्रमजीत जी रहे। कार्यक्रम के संयोजक महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री महेन्द्र मल्होत्रा तथा संचालक संस्कृत वांग्मय विषय के सहायक आचार्य श्री कृष्णदेव शुक्ल रहे। व्याख्यान में स्वागत एवं धन्यवाद भाषण प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग महाविद्यालय के Youtube चैनल

https://youtube.com/channel/UC7HuEb6eftEXrnYCcZ0m-uA पर उपलब्ध है।

15.**सप्त दिवसीय हिन्दी कार्यशाला –** महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा सप्त दिवसीय हिन्दी विषयक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 08.02.2022 से 14.02.2022 तक ऑनलाईन जूम प्लेटफार्म माध्यम से प्रतिदिन अपराह्न 3:00–4:00 बजे तक किया गया। इसमें लगभग 57 पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संयोजक डॉ. सर्वेश कुमार मिश्र एवं सह–संयोजक डॉ. जया मिश्रा द्विवेदी एवं श्री सुनील पुरी गोस्वामी रहे। कार्यक्रम में स्वागत एवं धन्यवाद भाषण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा ने किया। कार्यक्रम की सम्पूर्ण रिकॉर्डिंग महाविद्यालय के Youtube चैनल https://youtube.com/channel/UC7HuEb6eftEXrnYCcZ0m-uA पर उपलब्ध है। कार्यक्रम निम्नानुसार रहा –

क्र. सं.	दिनांक	विद्वान् वक्ता का नाम	विषय
1.	08.02.2022	डॉ. विवेकानन्द उपाध्याय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (उ.प्र.)	हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास
2.	09.02.2022	डॉ. संजय जैन (शास्त्री) राजकीय महाविद्यालय सागवाड़ा, डूंगरपुर	आधुनिक गद्य का उद्भव और विकास
3.	10.02.2022	प्रो. वशिष्ठ अनूप काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)	हिन्दी गजल व सामाजिक चेतना
4.	11.02.2022	डॉ. रेणु व्यास राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	भक्तिकाल का स्वरूप और महत्त्व
5.	12.02.2022	डॉ. विनय कुमार पाठक पूर्व अध्यक्ष राजभाषा आयोग, छत्तीसगढ़	स्वाधीनता की चेतना व हिन्दी कविता
6.	13.02.2022	डॉ. अखिलेश कुमार शर्मा मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल	हिन्दी में रचनात्मक लेखन के विविध आयाम
7.	14.02.2022	डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	हिन्दी साहित्य में आदिकाल

16.**ज्योतिषशास्त्रे अवकहड़ाचक्रम् कार्यशाला –** दिनांक 22.02.2022 से 25.02.22 तक महाविद्यालय के ऑनलाईन जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से चतुर्दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रशिक्षिका डॉ. अर्पिता शर्मा, सहायक आचार्या, राजकीय कन्या महाविद्यालय झालावाड़ ने ज्योतिष सम्बन्धी बेसिक ज्ञान से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम का संचालन जैनदर्शन विभाग की सहायक आचार्या डॉ. श्रुति जैन ने किया। इस कार्यशाला में लगभग 35

विद्यार्थियों ने ज्योतिष प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में स्वागत एवं धन्यवाद भाषण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा ने किया। कार्यक्रम की सम्पूर्ण रिकॉर्डिंग महाविद्यालय के Youtube चैनल https://youtube.com/channel/UC7HuEb6eftEXrnYCcZ0m-uA पर उपलब्ध है।

(ब) ऑफलाईन कार्यक्रम –

1. **"Legal Awareness"** – अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर महाविद्यालयीय विद्यार्थियों में Legal Awareness के प्रति जागरूकता प्रदान करने हेतु ऑफलाइन माध्यम से दिनांक 11.12.2021 को एक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य डॉ. अर्चना शर्मा (एडवोकेट – राजस्थान हाईकोर्ट), एवं असिस्टेन्ट प्रोफेसर लॉ विभाग, विद्यास्थली लॉ कॉलेज, जयपुर ने दिया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. श्रुति पारीक तथा संचालक श्री कृष्णदेव शुक्ल रहे। धन्यवाद भाषण प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा ने किया।

2. **चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता –** दिनांक 20.12.2021 को महाविद्यालयीय विद्यार्थियों के लिए ''अभिज्ञानशाकुन्तल'' नामक संस्कृत नाटक के प्रथम अंक के 7वें श्लोकाधारित चित्रकला एवं ''भगवान महावीर का जीवन'' विषय पर रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। चित्रकला में शास्त्री तृतीय वर्ष के विद्यार्थी श्री दर्शन कस्तूरकर ने प्रथम तथा श्री अभिषेक जैन (सागर) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसमें कुल 10 विद्यार्थियों ने भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री देशना जैन ने प्रथम तथा सुश्री आस्था जैन पुत्री श्री कैलाश जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसमें कुल 18 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. श्रुति जैन और सह–संयोजिका डॉ. जया मिश्रा द्विवेदी रहीं एवं निर्णायिका श्रीमती वन्दना जैन, आचार्या आदिनाथ पब्लिक स्कूल रही।

3. **वस्त्र वितरण कार्यक्रम –** नूतन वर्ष के अवसर पर दिनांक 01.01.2022 को महाविद्यालय एवं 'द ब्लैस ऑफ क्रियेटर सोसायटी' नामक NGO के संयुक्त तत्त्वावधान में गरीब बच्चों हेतु महेश नगर स्थित संगीत स्कूल में वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा, IQAC समन्वयक डॉ. श्रुति पारीक, श्रीमती श्रुति जैन, श्री कृष्णदेव शुक्ल उपस्थित रहे। दी बार एसोसिएशन सेशन कोर्ट बनीपार्क के सचिव श्री गिरिजेश चतुर्वेदी एवं NGO के सचिव श्री पंकज गुप्ता संगीत स्कूल की प्रबन्धक श्रीमती विमला कुमावत एवं श्रीमती कविता मीणा इत्यादि उपस्थित रहे।

4. **''पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला 2022'' –** दिनांक 22.01.2022 शनिवार को प्रातः11:30 बजे यह 28वीं व्याख्यानमाला ''वर्तमान परिप्रेक्ष्य में श्रावक के अष्ट मूलगुणों की उपयोगिता'' विषय पर महाविद्यालय के

द्वितीय तल पर स्थित हॉल में आयोजित की गई। सर्वप्रथम महाविद्यालय का परिचय मानद् मंत्री श्री महेश चन्द्र जैन 'चांदवाड़' ने दिया। तदुपरान्त पं. चैनसुखदास जी का परिचय डॉ. प्रेमचन्द रांवका, पूर्व प्राचार्य राजकीय महाराजा आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर ने दिया। तत्पश्चात् व्याख्यानमाला की रूपरेखा महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन ने प्रस्तुत की। मुख्य वक्ता डॉ.सुषमा सिंघवी, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर ने विविध सन्दर्भों द्वारा सम्बन्धित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के अध्यक्ष माननीय एन. के. सेठी जी ने की। धन्यवाद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन जैनदर्शन विभाग की सहायक आचार्या डॉ. श्रुति जैन ने किया।

5. **दर्शनभारती पत्रिका विमोचन – ''पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला 2022''** के अवसर पर दिनांक 22.01.2022 को अभ्यागत अतिथियों द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक शोधपत्रिका **''दर्शनभारती''** के **''श्रमणाचार विशेषांक''** – संयुक्तांक 2020–21 एवं 2021–22 का विमोचन किया गया।

6. **गणतन्त्र दिवस –** 26 जनवरी, 2022 को 73 वें गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा एवं आदिनाथ पब्लिक की आचार्या श्रीमती वन्दना जैन ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम का संचालन श्री कृष्णदेव शुक्ल ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा ने एक स्वरचित देशभक्ति काव्यरचना ''वीरसपूत'' प्रस्तुत की।

7. **माघ जयन्ती –** दिनांक 16.02.2022 को महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में दोपहर 1:00 बजे महाकवि माघ की जन्म जयन्ती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने महाकवि माघ के कृतित्व ''शिशुपालवधमहाकाव्य'' के पद्यों का सामूहिक गायन किया तथा कवि के कृतित्व और व्यक्तित्व पर संस्कृत गीत, कविता, भाषण आदि प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के संस्कृत वांग्मय के सहायक आचार्य श्री कृष्णदेव वैष्णव ने कवि का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रुति जैन ने तथा अध्यक्षीय उद्बोधन प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुल 106 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

8. **अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस –** दिनांक 21.02.2022 सोमवार को दोपहर 2:00 बजे से महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में ''हमारी पहचान मातृभाषा'' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें 13 प्रतिभागियों ने अपनी–अपनी मातृभाषा में गीत, कविता, भाषण आदि के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किये तथा समस्त शिक्षकों ने भी मातृभाषा आधारित प्रस्तुतियाँ दी। जैनदर्शन की सहायक आचार्या डॉ. श्रुति जैन ने संचालन किया । कार्यक्रम के अन्त में अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. ललित किशोर शर्मा ने मातृभाषा से सम्बन्धित तथ्यात्मक जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की।

9. खेल–कूद सम्बन्धी गतिविधियाँ

महाविद्यालय के द्वारा सत्र 2021–22 की खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 24.12.2021 से 02.01.2022 तक हाउस की व्यवस्थानुसार किया गया। इसमें अनेक खेल–स्पर्धाएँ की गई जिनमें सभी विद्यार्थियों को 4 हाउस आदिनाथ, पार्श्वनाथ, वर्धमान एवं महावीर हाउस में विभाजित किया गया। खेल–स्पर्धा प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान रहे हाउस का विवरण निम्न है –

क्र.सं.	विजेता का नाम	प्रतियोगिता का नाम	हाउस का नाम	प्राप्त स्थान
उपाध्याय वर्ग –				
1.	श्री शुभांशु जैन पुत्र श्री सुनील जैन	100 मी. दौड़	वर्धमान	प्रथम
2.	श्री निखिल जैन	100 मी. दौड़	महावीर	द्वितीय
3.	श्री रॉविन जैन	200 मी. दौड़	वर्धमान	प्रथम
4.	श्री शुभांशु जैन पुत्र श्री सुनील जैन	200 मी. दौड़	वर्धमान	द्वितीय
5.	श्री विकास जैन पुत्र श्री चन्द्रेश जैन	गोला फैंक	पार्श्वनाथ	प्रथम
6.	श्री पारस जैन रामटोरिया	गोला फैंक	पार्श्वनाथ	द्वितीय
7.	श्री विकास जैन पुत्र श्री चन्द्रेश जैन	भाला फैंक	पार्श्वनाथ	प्रथम
8.	श्री संकेत जैन पुत्र श्री संजय जैन	भाला फैंक	महावीर	द्वितीय
महाविद्यालय वर्ग –				
1.	श्री निकेत जैन पुत्र श्री भागचन्द जैन	100 मी. दौड़	वर्धमान	प्रथम
2.	श्री अनिकेत जैन पुत्र श्री अनारचन्द जैन	100 मी. दौड़	आदिनाथ	द्वितीय
3.	श्री अनिरोध जैन	200 मी. दौड़	वर्धमान	प्रथम
4.	श्री अक्षय जैन पुत्र श्री दिनेश जैन	200 मी. दौड़	आदिनाथ	द्वितीय
5.	श्री कोले ओंकार पुत्र श्री प्रमोद कोले	गोला फैंक	वर्धमान	प्रथम
6.	श्री रोजे सम्मेद	गोला फैंक	महावीर	द्वितीय
7.	श्री कोले ओंकार पुत्र श्री प्रमोद कोले	भाला फैंक	वर्धमान	प्रथम
8.	श्री रोजे सम्मेद	भाला फैंक	महावीर	द्वितीय

हाउस का नाम	विजेता (खेल) संख्या	उपविजेता (खेल) संख्या	वर्ग में स्थान
आदिनाथ	03	08	तृतीय स्थान
पार्श्वनाथ	05	01	तृतीय स्थान
वर्धमान	09	04	प्रथम स्थान
महावीर	03	08	तृतीय स्थान

उपर्युक्त खेलों में प्रतिभागियों का प्रदर्शन देखकर तथा परिणामानुसार सर्वश्रेष्ठ हाउस पुरस्कार सत्र 2021–22 के अन्तर्गत वर्धमान हाउस को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। इस हाउस के संयोजक श्री सतीश कुमार जैन हैं।

बेस्ट स्पोर्ट्स मैन ऑफ द कॉलेज – शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र **श्री कोले ओंकार** पुत्र श्री कोले प्रमोद (वर्धमान हाउस) रहे। इनका प्रदर्शन निम्न प्रकार रहा –

1. कबड्डी में – विजेता
2. गोला फैंक – विजेता
3. तस्तरी फैंक – विजेता
4. 100 मी. दौड़ (रिले) – विजेता
5. बॉलीवाल – उपविजेता

बेस्ट स्पोर्ट्स मैन (जूनियर) ऑफ द कॉलेज – श्री रॉविन जैन पुत्र श्री जयकुमार जैन (वर्धमान हाउस) रहे। इनका प्रदर्शन निम्न प्रकार रहा –

1. कबड्डी में – विजेता
2. लम्बी कूद – विजेता
3. ऊँची कूद – उपविजेता

10. विद्यार्थियों हेतु हितकारी योजनाएँ

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने एवं श्रेष्ठता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने की दृष्टि से समाज श्रेष्ठियों ने हमारे अनुरोध पर विभिन्न प्रकार के फण्ड स्थापित किए हैं। फण्ड के लिए प्राप्त राशि की बैंक में एफ.डी. बनवा दी गई है। राशि से प्राप्त ब्याज से प्रति वर्ष छात्रों को लाभान्वित किया जा रहा है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :

(अ) विशेष पुरस्कार

क्र. सं.	कोष का नाम	कोष स्थापना वर्ष	कोष का मूल फण्ड	वर्तमान में अभिवृद्धित फण्ड की राशि	वर्ष 2020–21 के		पुरस्कृत करने का कारण
					पुरस्कृत छात्रों का नाम	पुरस्कार राशि	
1	श्री रमेश चन्द्र पापड़ीवाल मेमोरियल फण्ड	2013	**51,000/–**	1,01,000/–	**श्री सम्यक जैन**	गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल	शास्त्री कक्षा में जैन दर्शन विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को स्वर्णपदक
2	श्रीमती रितु एण्ड श्री सुधांशु कासलीवाल एजुकेशनल फण्ड	2016	**1,00,000/–**	4,00,000/–	**श्री मयंक जैन**	5000/– नकद	अंतिम कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र को नकद/शील्डस् एवं अन्य पुरस्कार
3	श्रीमती ऊषा सेठी मेमोरियल एजुकेशनल ऐडोंमेंट	2017	**1,00,000/– एवं रनिंग शील्ड**	1,00,000/–	**श्री अभिषेक जैन**	5000/– नकद एवं रनिंग शील्ड	बेस्ट स्टूडेन्ट ऑफ दी कॉलेज पुरस्कार
4	श्री सोहनलाल सेठी एजुकेशनल फण्ड	2017	**1,00,000/–एवं रनिंग शील्ड**	1,00,000/–	**श्री ओंकार कोले**	5000/– नकद एवं रनिंग शील्ड	बेस्ट स्पोर्टस मैन ऑफ दी कॉलेज पुरस्कार
5	श्री मिश्री लाल कटारिया एजूकेशनल एन्डोमेन्ट	2018	**1,00,000/–एवं रनिंग शील्ड**	1,00,000/–	**श्री रॉविन जैन**	5000/– नकद एवं रनिंग शील्ड	बेस्ट स्टूडेन्ट (जूनियर) ऑफ दी कॉलेज हेतु पुरस्कार
6	श्री फूलचन्द गंगवाल मेमारियल फण्ड	2018	**1,00,000/–**	1,21,000/–	**–**	मेडल एवं अन्य पुरस्कार	खेल–कूद में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता सभी विद्यार्थियों को गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल दिया गया)
7	प्रो. प्रवीणचन्द जैन मेमोरियल फण्ड	2018	**1,00,000/–**	3,00,000/–	**–**	नकद एवं शील्ड	सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी
8	श्रीमती ऊषा सेठी मेमोरियल फण्ड	2018	**1,25,000/– एवं रनिंग शील्ड**	1,25,000/–	**सुश्री दृष्टि जैन**	5000/– नकद एवं रनिंग शील्ड	बेस्ट गर्ल स्टूडेन्ट ऑफ दी कॉलेज पुरस्कार

9	श्री सुशील कुमार सेठी मेमोरियल फण्ड	2018	**50,000/- एवं रनिंग शील्ड**	1,25,000/-	**वर्धमान हाउस**	ट्रॉफी एवं अन्य अवार्ड	बेस्ट हाऊस ऑफ दी कॉलेज पुरस्कार
10	श्री महेश चन्द्र निर्मला देवी चाँदवाड़ ऐजूकेशनल एण्डोमेन्ट	2020	**1,00,000/-**	1,00,000/-	-	5000/- नकद	खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता पुरस्कृत
11	श्रीमती चन्द्रकांता डंडिया मेमोरियल ऐजूकेशनल एण्डोमेन्ट	2020	**1,00,000/-**	2,00,000/-	-	5000/- नकद एवं रनिंग शील्ड	बेस्ट गर्ल स्टूडेन्ट ऑफ दी कॉलेज (सीनियर) पुरस्कार

(ब) योग्य एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों हेतु

क्र. सं.	कोष का नाम	कोष स्थापना वर्ष	कोष का मूल फण्ड	वर्तमान में अभिवृद्धित फण्ड की राशि	सत्र में प्रदत्त राशि	लाभान्वित छात्र
1	श्री माणक चन्द्र योगेश कुमार टोडरका एजुकेशनल फण्ड	2014	11,000/-	21,000/-	कोरोना महामारी के चलते छात्र एवं छात्राएं प्रत्यक्ष रूप से अध्ययन हेतु उपस्थित नहीं रहे। अतः इस वर्ष की राशि का छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति के रूप में भुगतान नहीं किया गया है। ब्याज राशि छात्रवृत्ति फण्ड में स्थानान्तरित की गई है, जिसका उपयोग आगामी वर्षों में किया जावेगा।	
2	सुश्री इन्द्रसेना जैन एजुकेशनल फण्ड	2016	51,000/-	3,05,000/-		
3	श्री सतीश अजमेरा एजुकेशनल फण्ड	2016	1,01,000/-	1,01,000/-		
4	श्री महेन्द्र कुमार -सुशीला देवी पाटनी एजुकेशनल फण्ड	2017	51,000/-	1,42,000/-		
5	श्री गंगवाल चेरीटेबिल ट्रस्ट एजुकेशनल एण्डोमेन्ट (किशनगढ रेनवाल)	2019	51,000/-	51,000/-		

(महेश चन्द्र जैन "चांदवाड़")
मंत्री

SHRI DIGAMBER JAIN ACHARAYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA, JAIPUR
Run under the Shri Digambar Jain Sanskrit Shiksha Samiti
BALANCE SHEET AS AT 31-03-2021

Particulars	Schedule	As At 31.03.2021	As At 31.03.2020
		₹	₹
SOURCES OF FUNDS :			
Capital Fund	A	4,58,559	4,58,559
Samiti A/c			
Balance Brought Forward		17,99,629	11,95,407
Add :Transfer from Samiti		15,60,777	13,59,203
Add: Transferred against Accumulated Fund as per section 11(2)(a) of the Income Tax Act,1961			-
SUB TOTAL		33,60,406	25,54,610
Add: Excess of Income over expenditure		(14,12,246)	(7,54,981)
Net Balance		19,48,160	17,99,629
Provident Fund Liability For Staff		22,91,061	21,14,934
Deferred Government Grant and Aid	B	30,006	1,14,600
Current Liabilities	C	6,14,369	4,66,454
TOTAL		**53,42,155**	**49,54,176**
APPLICATION OF FUNDS :			
Fixed assets	D	17,80,053	17,79,063
INVESTMENTS:			
Provident Fund Investments	E	22,91,061	21,14,934
CURRENT ASSESTS:			
Accrued interest		581	1,005
Cash and Bank balances	F	12,38,081	10,26,795
Loans and Advances	G	32,379	32,379
Net Current Assets		12,71,041	10,60,179
TOTAL		**53,42,155**	**49,54,176**

Notes On Accounts
(1) it is a charitable orgonisation so no Deperciation is provided on Assets.

As per our Separate report of even date

For B. L. Ajmera & Co.

Chartered Accountants
FRN : 001100C

(Rajendra Singh Zala)
Partner
Mem. No. : 017184

B.L. AJMERA & CO. FRN : 001100C JAIPUR CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Jaipur
Date : December 24, 2021

For Shri Digamber Jain Acharaya Sanskrit Mahavidyala, Jaipur

(Mahesh Chandra Jain)
Secretary

(Anil Patni)
Treasurer

SHRI DIGAMBER JAIN ACHARAYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA, JAIPUR
Run under the Shri Digambar Jain Sanskrit Shiksha Samiti
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2021

Particulars	Schedule	For the year ended 31.03.2021	For the year ended 31.03.2021
		₹	₹
INCOME :			
Fees	H	20,91,424.00	35,49,411.00
Miscellaneous Income	I	16,235.00	28,280.00
Interest Received	J	1,01,314.00	62,462.00
TOTAL		**22,08,973**	**36,40,153**
EXPENDITURES :			
Establishment Expenses	K	33,22,840	36,99,305.00
Administrative and other Expenses	L	2,98,379	6,95,829.00
TOTAL		**36,21,219**	**43,95,134**
Surplus/Deficit of the year		**(14,12,246)**	**(7,54,981)**
less: Transferred against Accumulated Fund as per section 11(2)(a) of the Income Tax Act,1961			
Balance surplus transferred to balance sheet		**(14,12,246)**	**(7,54,981)**

As per our Separate report of even date

For B. L. Ajmera & Co.

Chartered Accountants
FRN : 001100C

(Rajendra Singh Zala)
Partner
Mem. No. : 017184

B.L. AJMERA & CO. FRN : 001100C JAIPUR CHARTERED ACCOUNTANTS

For Shri Digamber Jain Acharaya Sanskrit Mahavidyala, Jaipur

(Mahesh Chandra Jain)
Secretary

(Anil Patni)
Treasurer

Place : Jaipur
Date : December 24, 2021

SHRI DIGAMBER JAIN ACHARAYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA, JAIPUR
Run under the Shri Digambar Jain Sanskrit Shiksha Samiti
Statement of Receipt & Payment for the year ended 31st March 2021

Receipts	Amount	Payments	Amount
Opening Balance	**10,26,795**	Salary	23,08,083
Fees	21,07,659	Administration Expenses	4,11,217
Interest Received from Bank	12,998	Paid to Samiti	16,58,610
Loan (PF)	25,110	Investment in Government Treasury	25,110
Scholarship Payable	-	Fixed assets	990
Received from Samiti	16,72,295	Loans and Advances (Assets)	-
Grant Received from Rashtriya Sanskrit Sansthan (2020-21)	4,17,000	Grant Payment from Rashtriya Sanskrit Sansthan (Salary to Sanskrit Teachers)	3,78,594
Caution Money	44,000	Miscellaneous Expenses	25,672
Other Liabilities	8,63,500	Payment of Liabilities	90,000
		Paid Scholarship	33,000
		Closing Balance	12,38,081
	61,69,357		**61,69,357**

For B. L. Ajmera & Co.
Chartered Accountants

FRN : 001100C

(Rajendra Singh Zala)
Partner
Mem. No. : 017184

Place : Jaipur
Date : December 24, 2021

For Shri Digamber Jain Acharaya Sanskrit

(Mahesh Chandra Jain)
Secretary

(Anil Patni)
Treasurer

SHRI DIGAMBER JAIN ACHARAYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA, JAIPUR
Run under the Shri Digambar Jain Sanskrit Shiksha Samiti

Schedule A : Fund Accounts

Particulars	As at 31.03.2021		As at 31.03.2020	
	₹	₹	₹	₹
Fund account B/F		4,14,530		4,14,530
Scholarship Fund B/F		3,000		3,000
Other Deposits :				
Board of rajasthan	264		264	
Shri Jain Darshan Vidyalaya	30,000		30,000	
Pandit Chain Sukh Das Smarak Samithi	3,000		3,000	
Shri Nathu Lal Trust	1,000		1,000	
Director Sanskrit Shiksha Rajasthan	240		240	
Shri Mahaveer Prasad Gadia	6,525	41,029	6,525	41,029
TOTAL		4,58,559		4,58,559

Schedule B : Deferred Government Grants

Particulars	As at 31.03.2021		As at 31.03.2020	
	₹	₹	₹	₹
1)From Rasthriya Sanskrit Sansthan New Delhi				
balance B/F				
ADD:Received During the year	4,17,000		4,74,000	
Less:Paid During the year(Scholarship)	33,000			
Less:For Teacher's Salary	3,78,594		3,84,000	
Less:Paid During the year (R.S.S)	-	5,406	-	90,000
2)Junior Research Fellow Ship				
balance B/F	24,600.00		24,600	
ADD:Received During the year	-		-	
Less:Paid During the year	-	24,600	-	24,600
TOTAL		30,006.00		1,14,600

Schedule C : Current Liabilities

Particulars	As at 31.03.2021	As at 31.03.2020
	₹	₹
Sundry Creditors:-		
Audit fee	-	-
Patrika Advertisement India Co.	10,760	10,760
JRRSU Exam	-	-
Shraman Sanskriti Sansthan	12,680	-
MHRD(ministry of human right dept.)	6,500	3,000
OTHERS :		
Caution Money For Library	2,57,984	2,57,984
Scholarship Payable	1,44,654	56,919
Samaj Kalyan	2,031	2,031
Sanskrit Shiksha	1,260	1,260
ESIC Payable	-	-
Caution Money	1,78,500	1,34,500
TOTAL	6,14,369	4,66,454

SHRI DIGAMBER JAIN ACHARAYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA, JAIPUR
Run under the Shri Digambar Jain Sanskrit Shiksha Samiti

Schedule D : Fixed Assests

Particulars	As at 31.03.2020	Addition during the Year	As at 31.03.2021
	₹	₹	₹
Furniture and Fixtures	7,53,619	-	7,53,619
Electical Fittings	41,779	-	41,779
Generator	29,088	-	29,088
Boring	10,689	-	10,689
Water Cooler	2,126	-	2,126
Public Address System	1,29,427	-	1,29,427
Biometric machine	9,500	-	9,500
Books	63,431	13,580	77,011
Printer HP	29,110	(12,590)	16,520
Computer	7,10,294	-	7,10,294
TOTAL	**17,79,063**	**990**	**17,80,053**

Schedule E :- Provident Fund Investment

Particulars	As at 31.03.2021	As at 31.03.2020
	₹	₹
With Rajasthan State		
Government treasury	21,14,934	19,21,027
Add:- provident fund	1,76,127	1,93,907
TOTAL	**22,91,061**	**21,14,934**

Schedule F : Cash and Bank Balances

Particulars	As at 31.03.2021	As at 31.03.2020
	₹	₹
SBBJ A/c	11,11,314	9,32,921
Mahavidyalaya(cash in hand)	35,074	5,031
Fixed Deposit(endowment fund)	65,000	65,000
SBI (A/C 34865897286)	26,144	23,293
PNB A/C	550	550
TOTAL	**12,38,081**	**10,26,795**

Schedule G : Loans and Advances

Particulars	As at 31.03.2021	As at 31.03.2020
	₹	₹
Security deposit with JVVNL	32,379.00	32,379
TOTAL	**32,379**	**32,379**

B.L. AJMERA & CO. FRN : 011000C JAIPUR CHARTERED ACCOUNTANTS

SHRI DIGAMBER JAIN ACHARAYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA, JAIPUR
Run under the Shri Digambar Jain Sanskrit Shiksha Samiti

Schedule H : Fee Received

Particulars	For the year ended 31.03.2021	For the year ended 31.03.2020
	₹	₹
Tuition	20,25,324	33,36,571
Bal Kosh	-	-
Vikash Shulk	-	96,840
Library	-	-
Admission and Readmission	62,500	98,500
T.C.	3,600	17,500
TOTAL	**20,91,424**	**35,49,411**

Schedule I : Miscellaneous Income

Particulars	For the year ended 31.03.2021	For the year ended 31.03.2020
	₹	₹
Other Fees	14,047	12,320
Misc. Income	3	-
Late Fee	2,185	15,960
Prior Period Income	-	-
TOTAL	**16,235**	**28,280**

Schedule J : Interest from Bank

Particulars	For the year ended 31.03.2021	For the year ended 31.03.2020
	₹	₹
Interest on savings Bank A/c	12,694	27,321
Interest received from samiti	87,735	30,071
Interest on Fixed Deposits	885	5,070
TOTAL	**1,01,314**	**62,462**

Schedule K : Establishment, Administrative and Other Expenses

Particulars	For the year ended 31.03.2021	For the year ended 31.03.2020
	₹	₹
Salaries(Grant in aid)	28,73,844	32,07,199
ESIC (including ESIC For Salary other)	32,178	74,092
P.F Contribution	4,16,818	4,18,014
Salary other	-	-
TOTAL	**33,22,840**	**36,99,305**

B.L. AJMERA & CO. FRN 001100C JAIPUR CHARTERED ACCOUNTANTS

SHRI DIGAMBER JAIN ACHARAYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA, JAIPUR
Run under the Shri Digambar Jain Sanskrit Shiksha Samiti

Schedule L : Administrative and Other Expenses

Particulars	For the year ended 31.03.2021	For the year ended 31.03.2020
	₹	₹
Advertisement expenses	-	92,599
Printing and stationery expenses	17,828	29,533
Light and water expenses	74,445	2,38,805
UGC payment (Bhopal)	-	-
Affiliation fees (research center)	-	21,950
Audit fees	-	-
Miscellaneous expenses	35,672	21,197
Travelling expenses	9,765	7,113
Telephone expenses	6,388	7,505
Computer repairs	2,050	1,610
Balkosh Expenses	-	-
Library	19,138	5,200
Website charges	13,076	12,137
Honorarium for Guest	1,100	13,550
Examination Expenses	1,920	5,195
Electricity repair	3,670	4,825
Generator diesel expenses	600	2,700
Sport exp.(krida pratiyogita)	-	52,324
Refreshment expenses	1,008	13,758
Bank charges	1,473	436
General expenses	-	-
Beti Bachao Abhiyan	-	-
Student House Expenses	-	11,529
Vraksha ropan	-	3,920
Prize	-	63,959
scholarship	87,735	30,071
Postage Expenses	1,394	2,452
Pandit chain sukh vyakhanmala	-	23,646
utsav	-	5,231
SDJASM student alumini grant	10,000	10,000
Cleaning Expenses	3,445	682
Gardening Expenses	1,400	
Newpaper And Magazines Expenses	2,272	10,507
Caustion Money Refund	4,000	-
NAAC A/c	-	-
Other repairs	-	3,395
TOTAL	**2,98,379**	**6,95,829**

B.L. AJMERA & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS FRN 001100C JAIPUR

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर (जयपुर)
वर्ष 2021-22 के परिशोधित
एवम्
2022-23 के
प्रस्तावित बजट पर नोट

प्रस्तावना :–

वर्ष 2021–22 के लिये कुल आय का अनुमान 46,49,000/– रूपये का रखा गया था, उसके स्थान पर दिनांक 31.01.2022 तक आय 48,16,065/– रु. रही तथा 31 मार्च 2022 तक की आय का अनुमान रु. 9,59,563/– है। इस प्रकार कोरोना महामारी के कारण सन् 2021–22 की आय का संशोधित अनुमान **57,75,628/– रु.** है। आय में वृद्धि का कारण गत वर्ष का शुल्क जमा होना रहा।

वर्ष 2021–22 के लिए कुल व्यय का अनुमान 52,67,000/– रु लगाया गया था। उसके स्थान पर 31 जनवरी 2022 तक 30,82,763/– रू. रहा है तथा 31 मार्च 2022 तक का अनुमान 8,36,026/– रु. है। इस प्रकार कुल व्यय का संशोधित अनुमान **39,18,789/– रू.** रखा गया है।

वर्ष 2022–23 में आय 45,79,000/– रू संभावित है तथा 56,90,000/– रू. व्यय का अनुमान लगाया गया है। आय–व्यय का निर्धारण 425 विद्यार्थियों के अनुमान पर आधारित है। अगामी वर्ष में रहने वाले घाटा राशि रुपये 11,11,000/– की प्रतिपूर्ति शिक्षा समिति द्वारा की जाना प्रस्तावित है।

–: आय :–

1. शिक्षण शुल्क –

वर्ष 2021–22 के लिए प्रस्तावित आय अनुमान 39,80,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 38,52,503/– रूपये का रहा है। वर्ष 2022–23 में शिक्षण शुल्क में 10% वृद्धि प्रस्तावित की गई थी, किन्तु महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति की बैठक दिनांक 06.03.2022 में श्री उत्तम चन्द जी पाटनी ने भावना व्यक्त की कि आने वाले सत्र में शिक्षण शुल्क में वृद्धि नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में अधिकांश विद्यार्थी श्रमण संस्कृति संस्थान से आते हैं एवं उनका शिक्षण शुल्क संस्थान द्वारा ही वहन किया जाता है।

कोरोना महामारी के कारण संस्थान अभी वित्तीय भार सहन करने की स्थिति में नहीं है, अतः इस वर्ष शिक्षण शुल्क में वृद्धि करने के स्थान पर अन्य स्रोतों से आय बढ़ाने का प्रयास करना ठीक होगा। श्री प्रमोद जी पहाड़िया, जो अर्थ समिति के संयोजक भी हैं, ने आश्वासन दिया कि इस वर्ष हम समाज से अधिक आर्थिक सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करेंगे ताकि महाविद्यालय को आर्थिक कठिनाई का सामना नहीं करना पड़े। शिक्षण शुल्क में वृद्धि को स्थगित करने से महाविद्यालय को आर्थिक

कठिनाई होगी तो उसे पूरा करने का उन्होंने आश्वासन दिया। सभी बातों पर विचारोपरान्त सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्ष 2022–23 में शिक्षण शुल्क विगत शैक्षिक सत्रानुसार रखा जाना ठीक रहेगा।

प्रबन्ध समिति के निर्णय की पुष्टि श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 06.03.2022 में की गई। तद्नुसार वर्ष 2022–23 के लिए शिक्षण शुल्क के मद में आय का अनुमान 38,50,000/–रुपये का रखा गया है। गणना 425 विद्यार्थियों पर आधारित है।

2. प्रवेश शुल्क –

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 25,000/– रू. का रखा गया था, जिसके विरूद्ध परिशोधित अनुमान 50,500 रू. है। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 50,000 रू. का रखा गया है।

3. प्रमाण पत्र शुल्क

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 5,000/– रू. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 9,800/– रू. रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 10,000/– रू. का रखा गया है।

4. दण्ड/विलम्ब शुल्क

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 10,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 710/– रू. रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान 5,000/–रू. का रखा गया है।

5. अन्य शुल्क

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 15,000/– रूपये का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 9,915/– रू. रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 10,000/– रू. का रखा गया है।

6. ब्याज

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 1,00,000/– रू. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 1,00,112/– रू. रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 1,00,000/– रू. का रखा गया है ।

7. धरोहर राशि

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 10,000/– रखा गया था। परिशोधित अनुमान 77,000/– रू. रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान 50,000/– रू. रखा गया है।

8. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान से वेतन

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 3,84,000/– रू. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 3,84,000/– रू. रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 3,84,000/– रू. का रखा गया है ।

9. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान से छात्रवृत्ति

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 90,000/– रू. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 90,000/– रू. का रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 90,000/– रू. का ही रखा गया है ।

10. विकास शुल्क (वि.वि. से प्राप्त)

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 30,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान 30,000/– रू. का रखा गया है।

11. गत वर्ष का शुल्क

वर्ष 2021–22 के लिए प्रस्तावित अनुमान कुछ भी नहीं रखा गया था। परिशोधित अनुमान 12,01,088/– रूपये का रहा है। वर्ष 2022–23 के अनुमान भी कुछ नहीं रखा गया है।

12. घाटे की प्रतिपूर्ति (समिति से)

वर्ष 2021–22 के लिए प्रस्तावित अनुमान 6,18,000/– रू. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान (–)18,56,839/– रूपये का रहा है। वर्ष 2022–23 के अनुमान 7,11,000/– रू. का रखा गया है।

–: व्यय :–

1. वेतन महाविद्यालय

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 34,26,800/– रूपये का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 28,75,372/– रु रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 40,00,000 रू. का रखा गया है।

2. रा.सं.सं.नई दिल्ली

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 3,84,000/– रूपये का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 3,84,000/– रु रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 3,84,000/– रू. का रखा गया है।

3. स्टेशनरी/ छपाई

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 30,000/– का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 23,439/– रूपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 30,000/– रु. का रखा गया है ।

4. पानी प्रकाश

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 2,80,000/– रखा गया था। परिशोधित अनुमान 11,814/– रूपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 1,00,000/– रु. का रखा गया है।

5. विज्ञापन

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 1,00,000/– रु. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 30,783/– रुपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 1,00,000/– रु. का रखा गया है।

6. पुस्तकालय (पुस्तक क्रय)

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 50,000/– रु. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 51,444/– रुपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 50,000/– का रखा गया है।

7. पुस्तकालय (रख–रखाव)

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 10,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 800/– रूपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 10,000/– का रखा गया है।

8. वाचनालय

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 15,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 1,615/– रूपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 10,000/– का रखा गया है।

9. टेलीफोन

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 10,000/– रु. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 5,700/– रूपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 10,000/– का रखा गया है।

10. मार्ग व्यय

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 25,000/– रू. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 46,534/– रू. का रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 50,000/– रु. का रखा गया है।

11. फर्नीचर एवं फिक्चर्स

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 20,000/– रूपये का रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 20,000/– रु. का रखा गया है ।

12. विविध व्यय

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 50,000/– का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 18,220/– रू. रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 50,000/– रूपये का रखा गया है।

13. अतिथि सत्कार

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 25,000/– रू. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 12,262/– रु रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 15,000/– रू. रखा गया है।

14. जनरेटर डीजल/मरम्मत

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 25,000/– रु. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान 8,500/– रू का रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 10,000/– रु. का रखा गया है।

15. वैबसाइट (विकास एवं संधारण)

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 35,000/–रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 25,000/– रू. का रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 35,000/– रू. का रखा गया है।

16. इन्टरनेट व्यवस्था

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 20,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 24,513/– रू. का रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 30,000/– रू. का रखा गया है।

17. अनुसंधान केन्द्र (सम्बद्धता)

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 50,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 50,000/– रू. का रखा गया है।

18. कम्प्यूटर संधारण

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 10,000/– रू. रखा गया था। परिशोधित अनुमान रु. 13,500/– व्यय हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 15,000/– रूपये का रखा गया है।

19. आर.ओ. संधारण

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 10,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 20,000/– रूपये का रखा गया है।

20. परीक्षा व्यय

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 30,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 8,213/– रु. रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 30,000/– रु. रखा गया है।

21. क्रीड़ा प्रतियोगिता (अन्तः कक्षीय)

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 20,000/– रू. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 10,294/– रुपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान रू. 20,000/– का रखा गया है।

22. क्रीड़ा प्रतियोगिता (विद्यालयीय एवं अन्तः महाविद्यालयीय)

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 75,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान रु. 75,000/– का रखा गया है।

23. बैंक चार्जेज

वर्ष 2021–22 अनुमानित 1,200/– रू. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 949/– रू. रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान रु. 1,000/– का रखा गया है।

24. रा.सं. संस्थान से प्राप्त छात्रवृत्ति का विवरण

वर्ष 2021–22 के लिये अनुमान 90,000/– रू. का रखा गया था। परिशोधित अनुमान रु. 90,000/– रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान रु. 90,000/– का रखा गया है।

25. पानी/प्रकाश व्यवस्था संधारण

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान रु. 10,000/– रखा गया था। परिशोधित अनुमान रु. 3,360/– व्यय हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान रु. 10,000/– का रखा गया है।

26. धरोहर शुल्क वापसी

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 25,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 24,000/– रू. व्यय हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 25,000/– रू. रखा गया है।

27. सफाई उपकरण

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 5,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान रु. 7,450/– व्यय हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 5,000/– रू. रखा गया है।

28. डाक–तार व्यय

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 5,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 2,793/– रू. व्यय हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 5,000/– रू. रखा गया है।

29. अतिथि व्याख्यानकर्ता मानदेय

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 10,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 34,800/– रू. व्यय हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 10,000/– रू. रखा गया है।

30. पुरस्कार पारितोषिक

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 1,00,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं रहा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 1,00,000/– रू. रखा गया है।

31. स्टूडेन्ट्स् हाउस गणवेश

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 20,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 20,000/– रु. रखा गया है।

32. वृक्षारोपण संधारण

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 5,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 5,000/– रू. रखा गया है।

33. बेटी बचाओ अभियान

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 5,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 5,000/– रू. रखा गया है।

34. कर्मचारी गणवेश

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 50,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं रखा। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 50,000/– रू. रखा गया है।

35. पूर्व छात्र–परिषद् को अनुदान

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 10,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान व्यय 10,000/– रु. हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 10,000/– रू. रखा गया है।

36. छात्रवृत्ति फण्ड हेतु अनुदान

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 10,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान व्यय 10,000/– रु. हुआ। वर्ष 2022–23 के लिये अनुमान 10,000/– रू. रखा गया है।

37. सांस्कृतिक कार्यक्रम/उत्सव

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 10,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान व्यय कुछ भी नहीं रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान 20,000/– रखा गया है।

38. पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 50,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान व्यय 4,100/– रु. हुआ। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान 50,000/– रखा गया है।

39. छात्रवृत्ति/फीस में छूट फण्ड्स के ब्याज से व्यय

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 25,000/– रु. रखा गया था। छात्रों के प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं होने के कारण परिशोधित अनुमान व्यय कुछ भी नहीं रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान 25,000/– रखा गया है।

40. कम्प्यूटर क्रय

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 50,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान व्यय कुछ भी नहीं रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान 50,000/– रखा गया है।

41. आई.क्यू.ए.सी संधारण/संचालन

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 10,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान 200/– रुपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान 10,000/– रखा गया है।

42. लॉन/बागवानी व्यय

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 25,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान कुछ भी नहीं रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान रु. 25,000/– रखा गया है।

43. ग्रेच्युटी भुगतान

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान कुछ भी नहीं रखा गया था। परिशोधित अनुमान 1,79,134/– रुपये रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान भी कुछ नहीं रखा गया है।

44. स्टॉफ वेलफेयर एण्ड डवलपमेन्ट

वर्ष 2021–22 के लिए अनुमान 50,000/– रु. रखा गया था। परिशोधित अनुमान व्यय कुछ भी नहीं रहा। वर्ष 2022–23 के लिए अनुमान रु. 50,000/– रखा गया है।

(अनिल पाटनी "दीवान")
कोषाध्यक्ष

(महेश चन्द्र जैन 'चांदवाड़')
मंत्री

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

बजट 2022–23

आय							
क्र.	नाम मद	2020–21 वास्तविक	2021–22 अनुमोदित	31.01.2022 तक वास्तविक	01.02.22 से 31.03.22 तक संभावित	योग	2022–23 के लिए प्रस्तावित
1	शिक्षण शुल्क (संभावित 425 छात्रों पर अधारित)	20,25,324	39,80,000	34,71,440	3,81,063	**38,52,503**	38,50,000
2	प्रवेश शुल्क	62,500	25,000	47,000	3,500	**50,500**	50,000
3	प्रमाण पत्र शुल्क	3,600	5,000	9,300	500	**9,800**	10,000
4	दण्ड / विलम्ब शुल्क	2,185	10,000	710	-	**710**	5,000
5	अन्य शुल्क	14,047	15,000	7,915	2,000	**9,915**	10,000
6	ब्याज	1,01,314	1,00,000	25,112	75,000	**1,00,112**	1,00,000
7	धरोहर राशि	44,000	10,000	53,500	23,500	**77,000**	50,000
8	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली से प्राप्त वेतन अनुदान	3,84,000	3,84,000	-	3,84,000	**3,84,000**	3,84,000
9	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली से प्राप्त छात्रवृत्ति राशि	90,000	90,000	-	90,000	**90,000**	90,000
10	विकास शुल्क (वि.वि. से प्राप्त)	-	30,000	-	-	**-**	30,000
11	गत वर्ष का शुल्क	-	-	12,01,088	-	**12,01,088**	-
	कुल योग	**27,26,970**	**46,49,000**	**48,16,065**	**9,59,563**	**57,75,628**	**45,79,000**
11	घाटे की प्रतिपूर्ति (समिति से)	14,12,246	6,18,000	(17,33,302)	(1,23,537)	**(18,56,839)**	11,11,000
	कुल योग	**41,39,216**	**52,67,000**	**30,82,763**	**8,36,026**	**39,18,789**	**56,90,000**

व्यय							
क्र.	नाम मद	2020–21 वास्तविक	2021–22 अनुमोदित	31.01.2022 तक वास्तविक	01.02.22 से 31.03.22 तक संभावित	योग	2022–23 के लिए प्रस्तावित
1	वेतन महाविद्यालय स्टाफ	33,22,840	34,26,800	22,60,346	6,15,026	**28,75,372**	40,00,000
2	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली से प्राप्त वेतन अनुदान, भुगतान	3,84,000	3,84,000	3,20,000	64,000	**3,84,000**	3,84,000
3	स्टेशनरी/ छपाई	17,828	30,000	18,439	5,000	**23,439**	30,000
4	पानी प्रकाश	74,445	2,80,000	11,814	-	**11,814**	1,00,000
5	विज्ञापन	-	1,00,000	30,783	-	**30,783**	1,00,000
6	पुस्तकालय (पुस्तक क्रय)	990	50,000	51,444	-	**51,444**	50,000
7	पुस्तकालय (रख–रखाव)	19,138	10,000	-	800	**800**	10,000
8	वाचनालय	2,272	15,000	1,315	300	**1,615**	10,000
9	टेलीफोन	6,388	10,000	4,700	1,000	**5,700**	10,000
10	मार्ग व्यय	9,765	25,000	40,534	6,000	**46,534**	50,000
11	फर्नीचर व फिक्चर्स	-	20,000	-	-	**-**	20,000
12	विविध व्यय	35,672	50,000	17,720	500	**18,220**	50,000
13	अतिथि सत्कार	1,008	25,000	11,762	500	**12,262**	15,000
14	जनरेटर डीजल/मरम्मत्	600	25,000	8,000	500	**8,500**	10,000
15	बेवसाईट (विकास एवं संधारण)	-	35,000	-	25,000	**25,000**	35,000
16	इन्टरनेट व्यवस्था	13,076	20,000	20,513	4,000	**24,513**	30,000
17	अनुसन्धान केन्द्र (सम्बद्धता शुल्क)	-	50,000	-	-	**-**	50,000
18	कम्प्यूटर संधारण	2,050	10,000	13,000	500	**13,500**	15,000
19	आर.ओ. संधारण	-	10,000	-	-	**-**	20,000
20	परीक्षा व्यय	1,920	30,000	7,213	1,000	**8,213**	30,000
21	क्रीड़ा प्रतियोगिता (अन्त: कक्षीय)	-	20,000	10,294	-	**10,294**	20,000

व्यय							
क्र.	नाम मद	2020–21 वास्तविक	2021–22 अनुमोदित	31.01.2022 तक वास्तविक	01.02.22 से 31.03.22 तक संभावित	योग	2022–23 के लिए प्रस्तावित
22	क्रीड़ा प्रतियोगिता (अन्तः विद्यालयीय एवं महाविद्यालयीय)	-	75,000	-	-	-	75,000
23	बैंक चार्जेज	1,473	1,200	749	200	**949**	1,000
24	रा. सं. संस्थान से प्राप्त छात्रवृत्ति का वितरण	90,000	90,000	-	90,000	**90,000**	90,000
25	पानी/प्रकाश व्यवस्था संधारण	3,670	10,000	2,860	500	**3,360**	10,000
26	धरोहर शुल्क वापसी	4,000	25,000	24,000	-	**24,000**	25,000
27	सफाई उपकरण	3,445	5,000	6,450	1,000	**7,450**	5,000
28	डाक–तार व्यय	1,394	5,000	2,593	200	**2,793**	5,000
29	अतिथि व्याख्यानकर्ता मानदेय	1,100	10,000	34,800	-	**34,800**	10,000
30	पुरस्कार/पारितोषिक	87,735	1,00,000	-	-	-	1,00,000
31	स्टूडेन्टस् हाउस गणवेश	-	20,000	-	-	-	20,000
32	वृक्षारोपण संधारण	-	5,000	-	-	-	5,000
33	बेटी बचाओ अभियान	-	5,000	-	-	-	5,000
34	कर्मचारी गणवेश	-	50,000	-	-	-	50,000
35	पूर्व छात्र परिषद् को अनुदान	10,000	10,000	-	10,000	**10,000**	10,000
36	छात्रवृत्ति फण्ड हेतु अनुदान	10,000	10,000	-	10,000	**10,000**	10,000
37	सांस्कृतिक कार्यक्रम/उत्सव	-	10,000	-	-	-	20,000
38	पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला व्यय	-	50,000	4,100	-	**4,100**	50,000
39	छात्रवृत्ति/फीस में छूट फण्ड्स के व्याज से	-	25,000	-	-	-	25,000

व्यय							
क्र.	नाम मद	2020–21 वास्तविक	2021–22 अनुमोदित	31.01.2022 तक वास्तविक	01.02.22 से 31.03.22 तक संभावित	योग	2022–23 के लिए प्रस्तावित
40	कम्प्यूटर क्रय	-	50,000	-	-	-	50,000
41	आई.क्यू.ए.सी. संधारण/संचालन	-	10,000	200	-	**200**	10,000
42	लॉन बागवान	1,400	25,000	-	-	-	25,000
43	ग्रेच्युटी भुगतान	-	-	1,79,134	-	**1,79,134**	-
44	स्टॉफ वेलफेयर एण्ड डवलपमेन्ट	-	50,000	-	-	-	50,000
	योग	**41,06,209**	**52,67,000**	**30,82,763**	**8,36,026**	**39,18,789**	**56,90,000**

(अनिल पाटनी 'दीवान')
कोषाध्यक्ष

(महेश चन्द्र जैन 'चांदवाड़')
मंत्री